विनती सुन लिजो थारे दास री माता भटीयाणी भजन लिरिक्स

विनती सुन लिजो थारे दास री,
माता भटीयाणी,
बिनती सुन लिजो थारे दास री,
माता भटीयाणी,
आया मै थारे दरबार,
ओ माता भटीयाणी,
आया मै थारे दरबार,
कलयुग मे परचा साचा आपरा,
माता भटीयाणी,
कलयुग मे परचा साचा आपरा,
माता भटीयाणी,
महिमा है अपरमपार।bd।

गढ रे जसोल थारो देवरो,
माता भटीयाणी,
गढ रे जसोल थारो देवरो,
माता भटीयाणी,
दर्शन आवे नर नार,
ओ माजीसा म्हारा,
दर्शन आवे नर नार,
भगता रा दुखडा मेटो,
आप तो रानी भटीयाणी,
भगता रा दुखडा मेटो,
आप तो माता भटीयाणी,
साचो है थारो दरबार,
ओ माजीसा म्हारा,
साचो है थारो दरबार।bd।

दूर देशारा आवे यात्री,
माजीसा म्हारा,
दूर देशारा आवे यात्री,
माजीसा म्हारा,
हिवडा मे आस लगाय,
ओ माजीसा म्हारा,
हिवडा मे आस लगाय,
श्रद्धा सु गावे थारी आरती,
माता भटीयाणी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

श्रद्धा सु गावे थारी आरती,
माता भटीयाणी,
मनच्छा यह फल सब पाय,
ओ माजीसा म्हारा,
मनच्छा यह फल सब पाय।bd।

म्हाने भरोसो मोटो आपरो,
माता भटीयाणी,
म्हाने भरोसो मोटो आपरो,
माता भटीयाणी,
कलयुग मे थारो है आधार,
ओ माजीसा म्हारा,
कलयुग मे थारो है आधार,
चरना मे चाकर राखो आपतो,
रानी भटीयाणी,
चरना मे चाकर राखो आपतो,
माता भटीयाणी,
इतरो करजो उपकार,
ओ माजीसा म्हारा,
इतरो करजो उपकार।bd।

शिश सुहावे थारे चुनडी,
माजीसा म्हारा,
शिश सुहावे थारे चुनडी,
माता भटीयाणी,
पेरन नवसर हार,
ओ माजीसा म्हारा,
पेरन नवसर हार,
नथडी तो सोवे थारे नाक में,
माजीसा म्हारा,
नथडी तो सोवे थारे नाक में,
माजीसा म्हारा,
बिछ्या री झनकार,
ओ माजीसा म्हारा,
बिछ्या री झनकार।bd।

घर घर में पूजा होवे आपरी,
माता भटीयाणी,
घर घर में पूजा होवे आपरी,
माता भटीयाणी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ माजीसा थाने,
ध्यावे है सब संसार,
दास अशोक आयो आसरे,
माता भटीयाणी,
दास अशोक आयो आसरे,
माता भटीयाणी,
नैया लगावो भव पार,
ओ माजीसा म्हारी,
नैया लगावो भवसु पार।bd।

विनती सुन लिजो थारे दास री,
माता भटीयाणी,
बिनती सुन लिजो थारे दास री,
माता भटीयाणी,
आया मै थारे दरबार,
ओ माता भटीयाणी,
आया मै थारे दरबार,
कलयुग मे परचा साचा आपरा,
माता भटीयाणी,
कलयुग मे परचा साचा आपरा,
माता भटीयाणी,
महिमा है अपरमपार।bd।

गायक – मोईनुद्दीन जी मनचला।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com